

## इतिहास

Q1) राष्ट्रवाद क्या है? यूरोप में राष्ट्रवाद के उदय के कारण एवं प्रभावों की विवेचना करें?

Ans राष्ट्रवाद आधुनिक विश्व की राजनितिक जाग्रत का प्रतिफल है। यह एक ऐसी भावना है, जो किसी भौगोलिक संस्कृति या समाजिक परिवेश में रहने वाले लोगों में एकता की भावना को जाग्रत कर देता।

राष्ट्रवाद का धर्म लगाया जा सकता है अपने राष्ट्र के प्रति सौच और लगाव की भावना का विकास।

कारण :-> राष्ट्रवाद का उदय 1789 की फ्रांसीसी क्रांति से माना जाता है। इसने यूरोप में निरंकुशवाद के विरुद्ध राष्ट्रीयता की भावना को जाग्रत की। इसका प्रभाव अन्य यूरोपीय राष्ट्रों पर भी पड़ा। बड़ा बद में नेपोलियन के अधिपत्य के विरुद्ध भी राष्ट्रवादी भावना का विकास हुआ। मेटरनिक की नीतियों ने भी राष्ट्रवादी भावना को बढ़ावा दिया। 1830-48 के महान् अनेक यूरोपिय देशों में ~~संक्रांति~~ क्रांति हुई जिससे राष्ट्रवाद का विकास हुआ। फलस्वरूप यूनान का उदय, इटली का एकीकरण एवं जर्मनी का एकीकरण हुआ।

प्रभाव -> इसके व्यापक और दूरगामी प्रभाव यूरोप और विश्व पर पड़े जो निम्नलिखित हैं।

- 1) राष्ट्रवादी भावना से प्रेरित क्रांतियाँ और आन्दोलन हुए तथा नए राष्ट्रों का उदय हुआ।
- 2) उपनिवेशों से मुक्ति आन्दोलन हुआ।
- 3) प्रतिस्पर्धावादी और निरंकुश शक्तियाँ कमजोर पड़ गईं।
- 4) भारतीय धर्मशुद्धार भावना का प्रभाव पड़ा। लेकिन राष्ट्रवाद के कुछ नकारात्मक प्रभाव भी पड़े। 19वीं सदी के अन्तिम में राष्ट्रवाद अन्तर्गत राष्ट्रवाद में बदल गया। राष्ट्रवादी प्रवृत्ति ने साम्राज्यवादी प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया। यूरोप का प्रत्येक शक्तिशाली राष्ट्र साम्राज्यवादी और अन्तर्गत राष्ट्रवाद को जन्म दिया।



Q 2) जुलाई 1830 की क्रांति का विवरण दें।

जुलाई 1830 में चार्ल्स X के स्वैच्छाचारी शासन के विरुद्ध फ्रांस में क्रांति की ज्वाला भड़क उठी। इसके निम्नलिखित कारण थे -

1) 1824 में चार्ल्स दशम फ्रांस का राजा बना। वह स्वैच्छाचारी और निरंकुश राजा था। उसके शासन काल में नागरिक स्वतंत्रता का हनन हुआ, प्रेस और अभिव्यक्ति पर रोक लगा दी गई, उदारवादीओं का दमन किया गया तथा चर्च और कुलियों को विरोधाधिकार दिए गए। इससे इसका विद्रोह बढ़ाने लगा।

2) चार्ल्स X ने अपने से चार प्रतिक्रियावादी पोलिनेक के प्रधानमंत्री नियुक्त किया जिसके द्वारा चार अल्पदेशीयों को जारी कर आंदोलन को कुचलना चाहा और अल्पी अग्नि को प्रज्वलित करने का काम किया।

26 जुलाई 1830 को पेरिस की जनता ने जुला विद्रोह कर दिया। राजा ने सेना के बल पर विद्रोह को कुचलने का प्रयास किया। जिसमें वह विफल रहा। जनता ने पेरिस पर अधिकार कर लिया।